केन्द्र प्रवर्तित विभागीय योजनायें

1. मुंहखुरी रोग टीकाकरण योजना (केन्द्र प्रवर्तित)

- इस योजना के अन्तर्गत पशु पालकों के पशुओं को मुंहखुरी रोग टीकाकरण हेतु 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता है।
- सामान्यतः मुंहखुरी रोग टीकाकरण हेतु पशु पालकों को पांच रूपये प्रति पशु देना होता है।

(1) उपलब्धि :– वर्ष 2003–04 में निर्धारित लक्ष्य 123990 मात्रायें के विरूद्ध 122495 मात्रायें क्रय कर क्षेत्र के पशु पालको को लाभांवित किये गये है ।

(2) योजना से लाभ :– गाय, भैंस वंषीय पशुधन में बीमारी की रोकथाम होने से पशु मालिक दुग्धोत्पादन एवं कृषि कार्य हेतु पशुओं को निरंतर उपयोग कर सकते है।

2. धान के पैरे का यूरिया से उपचार

- हमारे राज्य में पशुओं को धान का पैरा हमेशा खिलाया जाता है।
- पैरे की पौष्टिकता बहुत ही कम होती है,इसमें लगभग 2 प्रतिशत प्रोटीन होता है, जबकि दुधारू पशुओं को 8–10 प्रतिशत वाले चारे उपयुक्त माने जाते हैं।
- धान के पैरे में फास्फोरस 0.20 से 0.16 प्रतिशत एवं कैल्शियम 0.4 प्रतिशत तक होता है, यह कैल्शियम पशुओं को पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं हो पाता क्योकि पैरे में हानिकारक पदार्थ आक्जेलिक एसिड 1.5 से 2 प्रतिशत होता है एवं पैरे का अधिकांश भाग कैल्शियम ऑक्जिलेट के रूप में गोबर में निकल जाता है।
- इसके आलावा पैरे में 6–10 प्रतिशत तक सिलिका होता है। जो पैरे की पाचनीयता को कम करता है।
- पैरे की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए यूरिया से उपचार किया जा सकता है

कैसे करे :–

- आवश्यक सामग्री :– धान का पैरा 100 किग्रा., यूरिया 04 किग्रा. पानी 80 लिटर, तराजू, 01 नग, प्लास्टिक की बाल्टी या मिट्टी के बर्तन, तारपोलिन या झिल्ली।
- धान की पैरे की कुट्टी बनाकर परत को पक्के फर्श या प्लास्टिक की सीट पर रख समतल धरती पर फैला लें
- 4 किग्रा. यूरिया को 80 लिटर पानी में घोलें एवं पैरे के ऊपर समान रूप से यूरिया का घोल छिड़कें।
- इसी प्रकार परत दर परत पैरा रखते जायें एवं समान रूप से यूरिया का घोल छिड़कते रहें।
- तत्पशचात् उपचारित पैरे को हवा बंद रखें, जैसे पोलिथिन बैग्स या खाद के थैले आदि से।
- उपचारित पैरे को 30 दिन बाद जानवरों को खिलावें।

सावधानियाँ :–

- यूरिया उपचारित पैरे को पशुओं को एक माह के पश्चात् ही खिलावें।
- पशुओं को खिलाने के थोड़ा समय पहले ढेर सा पैरा निकालकर हवा मे फैलावें, जिससे अमोनिया का गंध निकल जावे।
- यूरिया रासायनिक रूप से पानी व हवा की उपस्थिति में अमोनिया में बदलता है अतः अच्छी तरह से हवा बंद कर लेवें।
- पशुओं को उपचारित पैरा एकदम से खाने को न देवें, बल्कि थोड़ा थोडा करके आदत डालें। अधिक मात्रा में खिलाने पर अमोनिया विषाक्तता हो सकती है।